चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 03 जुलाई 2026, अंक –301.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

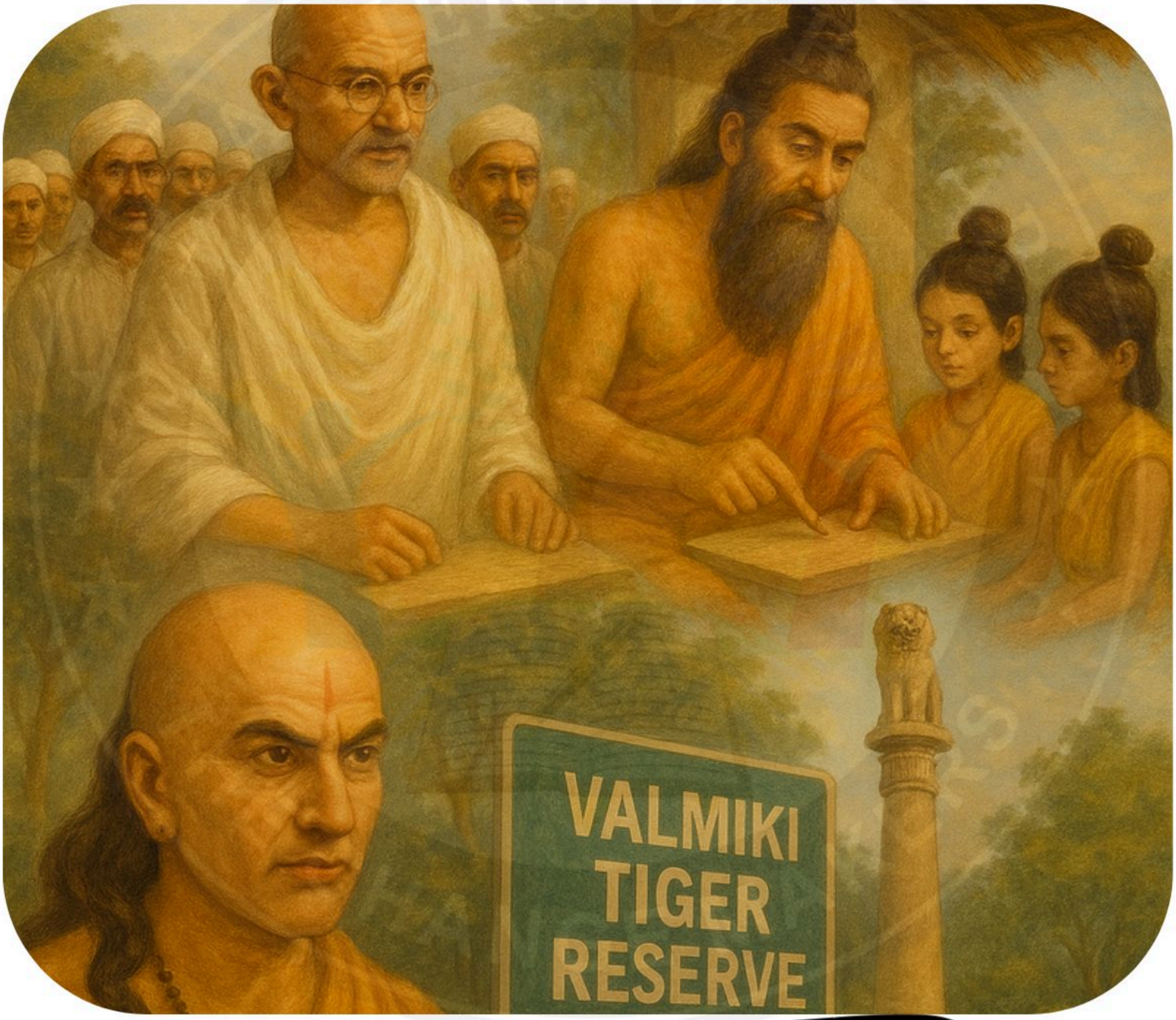

"जिन्हें अपने काम से प्यार है, उनके लिए रविवार नहीं होता।"

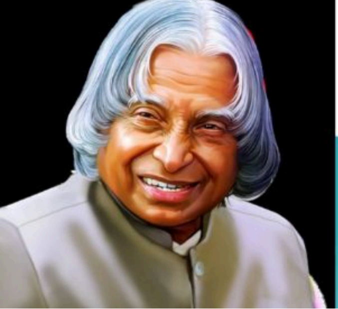

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्गः- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जापान की राजधानी क्या है?
उत्तर: टोक्यो
प्रश्न 2. भारत के पहले उपराष्ट्रपति कौन थे?
उत्तर: राधाकृष्णन
प्रश्न 3. 'गरबा' किस राज्य का प्रसिद्ध नृत्य है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. 100 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 10
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'बोधगया' किस जिले में है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में है?
उत्तर: असम
प्रश्न 7. बल्ब का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: थॉमस एल्वा एडिसन
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल कितना होता है?
उत्तर: 5 वर्ष
प्रश्न 9. 'अंधकार' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: प्रकाश
प्रश्न 10. पृथ्वी का एक उपग्रह कौन है?
उत्तर: चंद्रमा

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Candle – (कैंडल) – मोमबत्ती
Matchbox – (मैचबॉक्स) – माचिस की डिब्बी
Rope – (रोप) – रस्सी
Ladder – (लैडर) – सीढ़ी
Hammer – (हैमर) – हथौड़ा
Nail – (नेल) – कील
Tool – (टूल) – औजार

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या तुम ... सकते/सकती हो?" (Can you ...?)

क्या तुम पढ़ सकते/सकती हो? – Can you read?
क्या तुम लिख सकते/सकती हो? – Can you write?
क्या तुम खेल सकते/सकती हो? – Can you play?
क्या तुम गा सकते/सकती हो? – Can you sing?
क्या तुम अंग्रेज़ी बोल सकते/सकती हो? – Can you speak English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रत्येक वर्ष 3 जुलाई को "अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस" (International Plastic Bag Free Day) मनाया जाता है — इसकी स्थापना किस संगठन ने 2009 में की थी?
उत्तर: Zero Waste Europe (Bag Free World)
व्याख्या: अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस प्रतिवर्ष 3 जुलाई को मनाया जाता है। इसकी स्थापना Zero Waste Europe के सदस्य संगठन "Rezero" द्वारा 2009 में की गई थी और बाद में "Bag Free World" वैश्विक पहल के अंतर्गत इसे व्यापक रूप दिया गया। इस दिवस का उद्देश्य एकल-उपयोग प्लास्टिक थैलों (Single-Use Plastic Bags) के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 5 खरब प्लास्टिक थैले उपयोग होते हैं। भारत ने 1 जुलाई 2022 से 75 माइक्रोन से कम मोटाई के एकल-उपयोग प्लास्टिक थैलों पर प्रतिबंध लागू किया। बांग्लादेश एकल-उपयोग प्लास्टिक थैलों पर प्रतिबंध लगाने वाला विश्व का पहला देश था।
संदर्भ: awarenessdays.com — International Plastic Bag Free Day; pw.live International Plastic Bag Free Day 2025; gktoday.in July 3

प्र.2. "विकसित भारत — गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)" [VB-G RAM G] अधिनियम 2025, 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हुआ — यह किस पूर्व अधिनियम का स्थान लेता है और इसमें कितने दिनों की रोजगार गारंटी दी गई है?
उत्तर: MGNREGA; 125 दिन
व्याख्या: VB-G RAM G (Viksit Bharat – Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission Gramin) अधिनियम, 2025 को संसद ने दिसंबर 2025 में पारित किया और यह 1 जुलाई 2026 से पूरे ग्रामीण भारत में प्रभावी हुआ। यह अधिनियम महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) 2005 को प्रतिस्थापित करता है। नए अधिनियम में प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा, जो MGNREGA के 100 दिनों से अधिक है। न्यूनतम आधार मजदूरी ₹300 प्रतिदिन निर्धारित की गई है। यह UPSC GS-II (सरकारी योजनाएँ, सामाजिक न्याय) और GS-III (ग्रामीण अर्थव्यवस्था) की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: gstimes.in VB-G RAM G Act 1 July 2026; visionias.in Current Affairs VB-G RAM G 2026;

प्र.3. "सत्यार्थ प्रकाश" पुस्तक के रचयिता कौन हैं, जो आर्य समाज के संस्थापक थे और जिन्होंने "वेदों की ओर लौटो" का नारा दिया?
उत्तर: स्वामी दयानंद सरस्वती
व्याख्या: "सत्यार्थ प्रकाश" (1875) स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली धार्मिक-सामाजिक ग्रंथ है जो हिंदी में लिखा गया। इसमें वेदों की सर्वोच्चता, मूर्तिपूजा का खंडन और सामाजिक सुधारों की वकालत की गई है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 में मुंबई में आर्य समाज की स्थापना की। उनका "वेदों की ओर लौटो" (Back to the Vedas) का नारा अत्यंत प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा, जाति व्यवस्था और पर्दा प्रथा का विरोध किया। DAV विद्यालयों की स्थापना उन्हीं की शिक्षा-दृष्टि का परिणाम है।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 7 Women Caste and Reform, p. 89; स्वामी दयानंद सरस्वती — "सत्यार्थ प्रकाश", प्रकाशन वर्ष 1875; UPSC GS-I Social Reform Movements Reference.

प्र.4. प्लास्टिक थैलों के समुद्र में पहुँचने से जब वे सूक्ष्म टुकड़ों में टूट जाते हैं तो इन्हें क्या कहते हैं और ये मानव शरीर में किस माध्यम से प्रवेश करते हैं?
उत्तर: माइक्रोप्लास्टिक; खाद्य श्रृंखला
व्याख्या: जब प्लास्टिक के बड़े टुकड़े सूर्य के प्रकाश, ऊष्मा और समुद्री लहरों के कारण टूटकर 5 मिलीमीटर से छोटे हो जाते हैं, तो उन्हें "माइक्रोप्लास्टिक" (Microplastics) कहते हैं। ये समुद्री जीवों — मछली, झींगा — द्वारा निगल लिए जाते हैं और खाद्य श्रृंखला (Food Chain) के माध्यम से अंततः मानव शरीर तक पहुँचते हैं। इससे हार्मोनल असंतुलन, कैंसर और प्रतिरोधक क्षमता में कमी का खतरा बताया जाता है। "ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच" (Great Pacific Garbage Patch) समुद्र में प्लास्टिक के जमाव का सर्वप्रमुख उदाहरण है। WHO ने 2019 में माइक्रोप्लास्टिक पर वैश्विक शोध की आवश्यकता व्यक्त की थी।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 15 Our Environment, p. 197–199; NCERT Biology Class 12, Ch 16 Environmental Issues, p. 274; WHO Microplastics in Drinking Water Report 2019

प्र.5. महात्मा बुद्ध को ज्ञान (बोधि) की प्राप्ति कहाँ हुई थी और उन्होंने पहला उपदेश कहाँ दिया जिसे "धम्मचक्क पवत्तन" (धर्मचक्र प्रवर्तन) कहते हैं?
उत्तर: बोधगया; सारनाथ
व्याख्या: सिद्धार्थ गौतम को ज्ञान की प्राप्ति बिहार के बोधगया में पीपल के वृक्ष (बोधिवृक्ष) के नीचे हुई थी, जिसके बाद वे "बुद्ध" (जागृत) कहलाए। बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर को UNESCO ने 2002 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। इसके पश्चात उन्होंने अपना प्रथम उपदेश वाराणसी के निकट सारनाथ (ऋषिपत्तन/मृगदाव) में पाँच शिष्यों को दिया, जिसे "धम्मचक्क पवत्तन" कहते हैं। अपने अंतिम उपदेश के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में महापरिनिर्वाण प्राप्त किया। बोधगया बिहार की अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और धार्मिक विरासत का प्रमुख केंद्र है।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 7 New Questions and Ideas, p. 83–90;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत की कौन सी प्रमुख नदी "विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं" के बीच से बहती है और भड़ौच (भरूच) के निकट अरब सागर में गिरती है?
उत्तर: नर्मदा
व्याख्या: नर्मदा नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के अमरकंटक पठार से होता है। यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर बहती है और भरूच (भड़ौच) के निकट अरब सागर में मिलती है। यह नदी विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखलाओं के बीच ग्रेट रिफ्ट घाटी (Rift Valley) में बहती है। यह भारतीय उपमहाद्वीप को उत्तर और प्रायद्वीपीय भारत में विभाजित करने वाली एक प्राकृतिक सीमा मानी जाती है। नर्मदा नदी पूर्व से पश्चिम दिशा में प्रवाहित होती है — यह प्रायद्वीपीय नदियों की एक विशेषता है। सरदार सरोवर परियोजना इसी नदी पर निर्मित है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 27–29

प्र.7. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिकाओं के कार्यों की सूची दी गई है जो 73वें और 74वें संविधान संशोधन (1992) द्वारा जोड़ी गई?
उत्तर: 11वीं और 12वीं अनुसूची
व्याख्या: 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा संविधान में "11वीं अनुसूची" जोड़ी गई जिसमें पंचायती राज संस्थाओं के 29 विषय (जैसे कृषि, ग्रामीण विकास, शिक्षा, सड़क आदि) सूचीबद्ध हैं। 74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा "12वीं अनुसूची" जोड़ी गई जिसमें नगरपालिकाओं के 18 विषय सूचीबद्ध हैं। 73वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद 243 से 243-O तथा 74वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद 243-P से 243-ZG जोड़े गए। इन्हीं संशोधनों के तहत ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद की त्रिस्तरीय व्यवस्था संवैधानिक रूप से स्थापित हुई।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 4 Working of Institutions

प्र.8. जब किसी वस्तु को हवा में ऊपर फेंका जाता है तो वह एक निश्चित ऊँचाई पर रुककर नीचे क्यों आती है — इस घटना के लिए उत्तरदायी बल कौन सा है?
उत्तर: गुरुत्वाकर्षण बल
व्याख्या: जब कोई वस्तु ऊपर की ओर फेंकी जाती है तो पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल (Gravitational Force) उस पर निरंतर नीचे की दिशा में कार्य करता है, जिससे वस्तु की गति क्रमशः कम होती जाती है। जिस बिंदु पर वस्तु की गतिज ऊर्जा शून्य हो जाती है, वह अधिकतम ऊँचाई (Maximum Height) कहलाती है। इसके बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण वस्तु वापस नीचे आती है। यह न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण नियम (1687) पर आधारित है: $F = Gm_1m_2/r^2$। पृथ्वी की सतह पर गुरुत्वीय त्वरण (g) का मान लगभग 9.8 m/s^2 होता है। वायु प्रतिरोध (Air Resistance) इस गति को और प्रभावित करता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 9, Ch 10 Gravitation, p. 134–138; NCERT Science Class 8, Ch 11 Force and Pressure, p. 131–135.

प्र.9. भारत में "गरबा" नृत्य किस राज्य की परंपरागत लोक नृत्य शैली है और UNESCO ने इसे किस वर्ष "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" सूची में सम्मिलित किया?
उत्तर: गुजरात; 2023
व्याख्या: गरबा गुजरात का प्रसिद्ध लोक नृत्य है जो मुख्यतः नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति की पूजा के निमित्त किया जाता है। इसमें महिलाएँ और पुरुष वृत्तीय समूहों में ताली बजाते और घूमते हुए नृत्य करते हैं। "गरबा" शब्द "गर्भदीप" (गर्भ में दीपक) से व्युत्पन्न है, जो माँ के गर्भ और शक्ति का प्रतीक है। UNESCO ने दिसंबर 2023 में गरबा को "Representative List of the Intangible Cultural Heritage of Humanity" में सम्मिलित किया। यह योगासन के बाद यूनेस्को की अमूर्त धरोहर सूची में सम्मिलित होने वाली भारत की दूसरी सांस्कृतिक परंपरा बनी।
संदर्भ: UNESCO Intangible Cultural Heritage List 2023; Ministry of Culture, India; NCERT Social Science Class 7 Cultural Heritage

प्र.10. बिहार के किस स्थान पर "गाँधी संग्रहालय" स्थित है, जो 1917 के चंपारण सत्याग्रह की स्मृतियों को संजोए हुए है?
उत्तर: मोतिहारी (पूर्वी चंपारण)
व्याख्या: मोतिहारी (पूर्वी चंपारण जिला, बिहार) में "गाँधी संग्रहालय" स्थित है जो 1917 के ऐतिहासिक चंपारण सत्याग्रह की स्मृतियों को सुरक्षित रखता है। यहीं से महात्मा गाँधी ने भारत का अपना पहला सत्याग्रह आरंभ किया था। मोतिहारी के निकट भितिहरवा आश्रम भी इस आंदोलन का प्रमुख केंद्र था। पीपराकोठी, बेतिया और भितिहरवा इस आंदोलन से जुड़े प्रमुख स्थान हैं। 2017 में चंपारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोतिहारी का दौरा किया था। यह चंपारण क्षेत्र के निवासियों के लिए गर्व का केंद्र है।
संदर्भ: Bihar Tourism Official Portal; Gandhi Memorial Society, Motihari; NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 24–26

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल (जुलाई माह) के अनुसार, बाढ़ के जल में डूबी सड़क पर चलना क्यों खतरनाक है और इससे बचने के लिए बच्चों को क्या निर्देश दिया जाता है?
उत्तर: अदृश्य खतरे; बाढ़ जल में न चलें
व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के जल में डूबी सड़क पर चलना अत्यंत खतरनाक है क्योंकि (1) जल के नीचे खुले मैनहोल, गड्ढे, नाली और दरारें दिखाई नहीं देती जिनमें गिरने का खतरा होता है, (2) बाढ़ का पानी विद्युत खंभों और तारों को छूकर करंट युक्त हो सकता है, (3) पानी का बहाव अधिक होने पर व्यक्ति संतुलन खो देता है। बच्चों को विशेष रूप से निर्देश दिया जाता है कि बाढ़ जल में कभी न चलें — भले ही पानी कम गहरा लगे। शिक्षक और परिवार की देखरेख में ऊँचे सुरक्षित स्थान पर ही रुकें।
संदर्भ: BSDMA Flood Safety Module, July W2 — Vidyalaya Suraksha Karyakram; bsdma.org; Bihar Flood Disaster Management Guidelines 2025; IMD Flood Warning Protocols.

प्र.12. राहुल के पास कुछ कंचे हैं। यदि वह उन्हें 2-2, 3-3 या 5-5 के समूह में बाँटे तो हर बार 1 कंचा बचता है। राहुल के पास न्यूनतम कितने कंचे हैं?
उत्तर: 31
व्याख्या: यह प्रश्न "LCM और शेषफल" (LCM with Remainder) पर आधारित है। जब कोई संख्या 2, 3 और 5 से विभाजित करने पर हर बार शेषफल 1 आए, तो वह संख्या = LCM(2, 3, 5) × n + 1 के रूप में होगी। LCM(2, 3, 5) = 30। अतः संभावित संख्याएँ: 30×1+1 = 31, 30×2+1 = 61, 30×3+1 = 91 आदि। न्यूनतम संख्या = 31। सत्यापन: 31 ÷ 2 = 15 शेष 1 ✓, 31 ÷ 3 = 10 शेष 1 ✓, 31 ÷ 5 = 6 शेष 1 ✓। यह प्रकार का प्रश्न SSC, Railway और BPSC की परीक्षाओं में प्रायः पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 3 Playing with Numbers — LCM and HCF, p. 50–56;

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

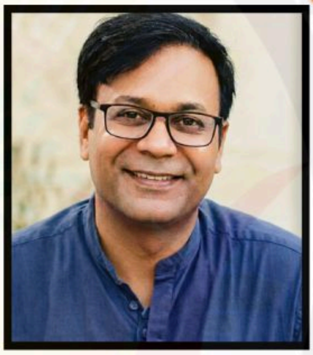

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Frivolous (फ्रिवोलस) = Trivial (ट्रिवियल) = तुच्छ / महत्वहीन
Antonym – Serious (सीरियस) = गंभीर
Gregarious (ग्रेगारियस) = Sociable (सोशेबल) = मिलनसार
Antonym – Reserved (रिज़र्व्ड) = संकोची / अलग रहने वाला
Harsh (हार्श) = Severe (सिवियर) = कठोर / तीखा
Antonym – Gentle (जेंटल) = कोमल / नम्र
Incredible (इनक्रेडिबल) = Amazing (अमेज़िंग) = अविश्वसनीय / अद्भुत
Antonym – Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण
Jeopardy (जोपर्डी) = Danger (डेंजर) = खतरा
Antonym – Safety (सेफ्टी) = सुरक्षा

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. GST Collections Surge 13.9% to Rs 1.95 Lakh Crore in June 2026 — Fastest Growth in 13 Months
हिन्दी अनुवाद: जून 2026 में GST संग्रह 13.9% बढ़कर ₹1.95 लाख करोड़ पहुँचा — 13 महीनों में सबसे तेज़ वृद्धि।
भारत का सकल GST संग्रह जून 2026 में वार्षिक आधार पर 13.9% बढ़कर ₹1,94,812 करोड़ हो गया, जो 13 महीनों में सबसे तेज़ वार्षिक वृद्धि है। (Business Standard) यह वृद्धि आयात से GST राजस्व में मज़बूत बढ़ोतरी से प्रेरित रही; सकल आयात राजस्व 34.6% उछलकर ₹60,038 करोड़ हो गया। (Grokipedia) अप्रैल-जून FY27 की पहली तिमाही में कुल सकल GST संग्रह ₹5.31 लाख करोड़ रहा — यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मज़बूती और कर-अनुपालन में सुधार का स्पष्ट संकेत है।

2. NITI Aayog Proposes Visa-on-Arrival for Select Nations, Major Tourism Regulatory Overhaul
हिन्दी अनुवाद: NITI आयोग ने चुनिंदा देशों के लिए वीज़ा-ऑन-अराइवल और पर्यटन में बड़े नियामक सुधार का प्रस्ताव दिया।
NITI आयोग ने 'अनलॉकिंग ग्रोथ इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी सेक्टर' रिपोर्ट में चुनिंदा देशों से आने वाले यात्रियों के लिए 90 दिन का मल्टीपल-एंट्री वीज़ा-ऑन-अराइवल, होटलों की मंजूरी सरल बनाने और लाइसेंस नियमों में ढील देने जैसे व्यापक सुधारों का प्रस्ताव किया है। (NITI Aayog) रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में होटल परियोजनाओं को मंजूरी से निर्माण तक 36-48 महीने लगते हैं, जबकि ASEAN देशों में मात्र 12-18 महीने। पर्यटन क्षेत्र FY24 में ₹15.73 लाख करोड़ (GDP का 5.22%) का योगदान कर चुका है और 8.46 करोड़ रोजगार का स्रोत है।

3. Cabinet Approves Rs 7,145 Crore Kanpur-Kabrai Greenfield Highway and Rs 6,970 Crore Delhi Tunnel Project
हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय कैबिनेट ने ₹7,145 करोड़ के कानपुर-कबराई ग्रीनफील्ड हाईवे और ₹6,970 करोड़ की दिल्ली सुरंग परियोजना को मंजूरी दी।
केंद्रीय कैबिनेट ने ₹7,145 करोड़ के कानपुर-कबराई ग्रीनफील्ड हाईवे को बुंदेलखंड कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए तथा ₹6,969.67 करोड़ की 6-लेन सुरंग परियोजना जो द्वारका एक्सप्रेसवे को नेल्सन मंडेला मार्ग, दिल्ली से जोड़ेगी, को मंजूरी दी। (NITI Aayog) इसके साथ ही GAGAN सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम को विमानन सुरक्षा और स्वदेशी नेविगेशन मज़बूत करने हेतु और विकसित किया जाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

1. US-Iran Indirect Talks in Doha Show "Positive Progress"; Communication Channel to Be Established
हिन्दी अनुवाद: दोहा में अमेरिका-ईरान अप्रत्यक्ष वार्ता में 'सकारात्मक प्रगति'; संचार चैनल स्थापित करने पर सहमति।
तेहरान ने कहा कि समझौते के उल्लंघनों पर चर्चा और रिपोर्ट करने के लिए वाशिंगटन के साथ एक 'संचार चैनल' स्थापित किया जाएगा। (Al Jazeera) कतर की मध्यस्थता में हुई इस अप्रत्यक्ष वार्ता को दोनों पक्षों ने सकारात्मक बताया है — यह अमेरिका-ईरान तनाव में कूटनीतिक राहत की उम्मीद जगाता है।

2. Trump Refuses to Renew USMCA Trade Deal; Global Trade Uncertainty Rises
हिन्दी अनुवाद: ट्रम्प ने USMCA व्यापार समझौते को नवीनीकृत करने से इनकार किया; वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढ़ी।
यह निर्णय राष्ट्रपति के लिए एक बड़ा उलट-फेर है, जिन्होंने 2018 में इस उत्तर अमेरिकी व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए इसे "अब तक का सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता" कहा था। (Fox News) इस निर्णय से US-Canada-Mexico व्यापार संबंधों में नई अनिश्चितता उत्पन्न हो गई है, जिसका प्रभाव वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और भारत सहित उभरते बाज़ारों पर भी पड़ सकता है।

3. Eight Buddhist Monks Killed as Child Accidentally Drives Truck into Procession in Thailand
हिन्दी अनुवाद: थाईलैंड में बच्चे द्वारा ट्रक चलाने से धार्मिक जुलूस पर चढ़ा — आठ बौद्ध भिक्षुओं की मृत्यु।
थाईलैंड में एक बच्चे द्वारा ट्रक चलाने से बौद्ध भिक्षुओं के जुलूस पर चढ़ जाने की दुर्घटना में आठ भिक्षुओं की मृत्यु हो गई। (Fox News) यह हृदयविदारक घटना थाईलैंड में गहरे शोक का कारण बनी है। बौद्ध धर्म थाईलैंड का राष्ट्रीय धर्म है और भिक्षुओं का समाज में विशेष सम्मान है।

BIHAR NEWS

1. IMD Issues Heavy Rainfall Alert for Bihar from July 2-6; Champaran, Sitamarhi, Darbhanga on Yellow Alert
हिन्दी अनुवाद: IMD ने 2 से 6 जुलाई तक बिहार में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया; चम्पारण, सीतामढ़ी, दरभंगा समेत कई ज़िलों में येलो अलर्ट।
IMD के अनुसार 2-4 जुलाई एवं 7-8 जुलाई को बिहार में छिटपुट से व्यापक वर्षा की संभावना है; 2 जुलाई को बिहार में वज्रपात, बिजली और 30-40 किमी/घंटा (झोंकों में 50 किमी/घंटा) तक की तेज़ हवाएँ चलने की चेतावनी दी गई है। (Bsdma) BSDMA ने पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सारण, सीवान और गोपालगंज सहित 20 से अधिक ज़िलों में येलो अलर्ट जारी किया है। नदियों के जलस्तर पर नज़र रखी जा रही है।

2. BPSC TRE 4.0 Notification to Be Released in July 2026; Bihar to Fill 46,000+ Teacher Posts
हिन्दी अनुवाद: BPSC TRE 4.0 अधिसूचना जुलाई 2026 में जारी होगी; बिहार में 46,000+ शिक्षक पदों पर भर्ती होगी।
BPSC TRE 4.0 का नोटिफिकेशन जुलाई में जारी होने की जानकारी आई है तथा बिहार में 46,000 से अधिक पदों पर शिक्षक भर्ती परीक्षा (Teacher Recruitment Examination) आयोजित की जाएगी। (Yahoo Sports) इसके साथ ही BPSC Auditor का Admit Card जारी हो गया है। सभी अभ्यर्थी BPSC की आधिकारिक वेबसाइट bpsc.bihar.gov.in पर अपडेट देखते रहें।

SPORTS NEWS

1. FIFA World Cup Round of 32: England, Belgium & USA All Advance; Spain, Portugal Play Today
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप: इंग्लैंड, बेल्जियम और USA Round of 32 से आगे; आज स्पेन-ऑस्ट्रिया व पुर्तगाल-क्रोएशिया के मुकाबले।
1 जुलाई को इंग्लैंड ने DR Congo को 2-1 से, बेल्जियम ने सेनेगल को अतिरिक्त समय में 3-2 से और USA ने बोस्निया एवं हर्जेगोविना को 2-0 से हराया। (ESPN) USA के स्ट्राइकर फॉलारिन बालोगुन को दूसरे हाफ में रेड कार्ड मिला और वे बेल्जियम के खिलाफ Round of 16 मुकाबले से वंचित रहेंगे। (FIFA) 2 जुलाई को Los Angeles में स्पेन-ऑस्ट्रिया और Toronto में पुर्तगाल-क्रोएशिया के Round of 32 मुकाबले निर्धारित हैं।

2. FIFA World Cup 2026: Spain vs Austria & Portugal vs Croatia — Today's High-Voltage Clashes
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप 2026: आज स्पेन-ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल-क्रोएशिया के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले — रोनाल्डो और मोड्रिच का आमना-सामना।
2 जुलाई को Round of 32 में SoFi Stadium, Los Angeles में स्पेन बनाम ऑस्ट्रिया (रात 3 बजे IST) तथा BMO Field, Toronto में पुर्तगाल बनाम क्रोएशिया (रात 7 बजे IST) खेले जाएंगे। (Sofascore) इस मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लुका मोड्रिच जैसे दिग्गजों का आमना-सामना होगा — यह 2016 यूरो फाइनल का पुनर्मिलन भी होगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

💡 आज का ज्ञान, कल की सफलता की नींव है।

निरंतर अध्ययन करते रहें — सफलता अवश्य मिलेगी।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"आसमान में क्या है?"

(2 जुलाई – विश्व यूएफ़ओ दिवस विशेष)

गर्मी की एक शांत रात थी। गाँव की बिजली चली गई थी। अनिकेत अपने दादाजी के साथ आँगन में चारपाई पर लेटा आसमान के अनगिनत तारों को निहार रहा था। अचानक उसने एक तेज़ चमकती हुई वस्तु को आकाश में तेजी से गुजरते देखा।

वह उत्साहित होकर बोला, “दादाजी! देखिए... कहीं यह यूएफ़ओ तो नहीं?”

दादाजी मुस्कुराए। उन्होंने तुरंत उत्तर नहीं दिया। बोले, “हो सकता है, और यह भी हो सकता है कि वह कोई उपग्रह, विमान या कोई प्राकृतिक घटना हो। लेकिन सबसे पहले हमें अनुमान नहीं, सत्य की खोज करनी चाहिए।”

अगले दिन अनिकेत ने विद्यालय जाकर विज्ञान की शिक्षिका से वही प्रश्न पूछा। शिक्षिका ने उसे अंतरिक्ष, ग्रहों, उपग्रहों और यूएफ़ओ के बारे में वैज्ञानिक जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि यूएफ़ओ का अर्थ केवल 'अज्ञात उड़ने वाली वस्तु' होता है। जब तक उसकी सही पहचान न हो जाए, उसे यूएफ़ओ कहा जाता है। इसका यह अर्थ नहीं कि वह किसी दूसरे ग्रह का यान ही हो।

शिक्षिका ने मुस्कराते हुए कहा, “बेटा, दुनिया के बड़े वैज्ञानिक भी एक छोटे-से प्रश्न से अपनी यात्रा शुरू करते हैं। अंतर केवल इतना है कि वे हर प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए अध्ययन, प्रयोग और प्रमाण का सहारा लेते हैं।”

उस दिन अनिकेत ने पुस्तकालय से अंतरिक्ष विज्ञान की पुस्तकें लीं और विद्यालय के विज्ञान क्लब का सदस्य बन गया। अब वह हर नई बात पर चमत्कार नहीं, बल्कि जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सोचने लगा।
उस रात आकाश तो वही था, लेकिन अनिकेत की सोच बदल चुकी थी।

सीख:
हर खोज की शुरुआत एक प्रश्न से होती है। जिज्ञासा रखें, प्रश्न पूछें, प्रमाण खोजें और विज्ञान की रोशनी में दुनिया को समझें। शायद आपका एक छोटा-सा सवाल ही भविष्य की किसी महान खोज का आधार बन जाए।

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

आगमन बनाम निगमन विधि — रटने के बजाय नियम बनाना सिखाएं

शिक्षक साथियों, जब हमें कक्षा में कोई नया नियम, सूत्र या सिद्धांत पढ़ाना होता है, तो हमारे पास दो मुख्य रास्ते होते हैं।

पहला रास्ता है आगमन विधि (Inductive Method)। इसमें शिक्षक बच्चों के सामने पहले कई सारे विशिष्ट 'उदाहरण' (Examples) रखता है। बच्चे उन उदाहरणों को देखते हैं, उनमें एक समान पैटर्न ढूंढते हैं और फिर खुद एक सामान्य 'नियम' या सूत्र (Rule) तक पहुँचते हैं। यह विधि पूरी तरह से छात्र-केंद्रित है और मनोविज्ञान के सिद्धांतों (विशिष्ट से सामान्य की ओर, ज्ञात से अज्ञात की ओर) पर काम करती है।

दूसरा रास्ता है निगमन विधि (Deductive Method)। यह आगमन के ठीक उलट काम करती है। इसमें शिक्षक पहले ब्लैकबोर्ड पर सीधा 'नियम या सूत्र' लिख देता है और फिर उसे सिद्ध करने के लिए कुछ उदाहरण देता है। हालांकि यह विधि समय बचाती है और बड़ी कक्षाओं के अभ्यास के लिए अच्छी है, लेकिन प्राथमिक स्तर पर यह बच्चों को रटने पर मजबूर करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और NCF के मानकों के अनुसार, प्राथमिक कक्षाओं में हमारी प्राथमिकता हमेशा आगमन विधि होनी चाहिए ताकि बच्चे सूत्र रटने के बजाय उसे 'समझना' सीखें।

उदाहरण (गणित और व्याकरण):

आइए इसे अपनी प्राथमिक कक्षा के दो बहुत ही सीधे और व्यावहारिक उदाहरणों से समझते हैं।

परिस्थिति 1: गणित में 'आयत का क्षेत्रफल' (Area of Rectangle) पढ़ाना

- निगमन विधि (पुराना तरीका): शिक्षक ने बोर्ड पर लिखा— क्षेत्रफल = लंबाई × चौड़ाई। फिर बच्चों को दो सवाल हल करवा दिए। बच्चे सूत्र रट लेते हैं, लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता कि यह सूत्र आया कहाँ से।
- आगमन विधि (नया तरीका): शिक्षक बच्चों को चौकोर खानों (Grid) वाला एक पन्ना देता है। वह बच्चों से कहता है कि 4 खाने लंबे और 3 खाने चौड़े हिस्से पर रंग भरें। बच्चे खाने गिनते हैं—कुल 12 खाने। फिर शिक्षक 5 खाने लंबे और 2 खाने चौड़े हिस्से पर रंग भरवाता है—कुल 10 खाने। शिक्षक पूछता है, "लंबाई और चौड़ाई के अंकों में ऐसा क्या करें कि कुल खानों की संख्या मिल जाए?" बच्चे खुद दिमाग लगाएंगे और कहेंगे, "सर! अगर लंबाई और चौड़ाई का गुणा कर दें, तो कुल संख्या आ जाती है!" यहाँ बच्चों ने खुद सूत्र खोज निकाला।

परिस्थिति 2: भाषा में 'संज्ञा' (Noun) पढ़ाना

- निगमन विधि: आपने सीधे परिभाषा लिखाई कि "किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं" और बच्चों ने उसे याद कर लिया।
- आगमन विधि: आप बच्चों से कहते हैं, "चलो बच्चों, अपने आस-पास देखो। जो भी चीज़ दिख रही है, उसका नाम बताओ।" बच्चे कहेंगे— राम, बेंच, किताब, बगाहा, स्कूल, पंखा। आप इन सबको बोर्ड पर लिखते हैं। फिर आप कहते हैं, "देखो, राम किसी व्यक्ति का नाम है, किताब वस्तु है और बगाहा स्थान है। व्याकरण में इन सभी प्रकार के 'नामों' को ही एक नाम दिया गया है— संज्ञा।" यहाँ बच्चा उदाहरणों से नियम की ओर बढ़ा।

शिक्षक साथियों, आगमन विधि से सीखा हुआ ज्ञान स्थायी होता है क्योंकि इसमें बच्चे की तर्कशक्ति का विकास होता है। जब बच्चा खुद किसी नियम को खोजता है, तो उसके भीतर का 'डर' समाप्त हो जाता है। एक कुशल शिक्षक के रूप में हमारी रणनीति यह होनी चाहिए कि हम नए पाठ की शुरुआत आगमन विधि से करें (ताकि अवधारणा स्पष्ट हो) और फिर अभ्यास कार्य के लिए निगमन विधि का उपयोग करें।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि बच्चों को बने-बनाए सूत्र और नियम परोसने के बजाय, उन्हें उस नियम तक पहुँचने का रास्ता दिखाइए। जब बच्चे नियम बनाना सीख जाएंगे, तो गणित और व्याकरण उनके लिए खेल बन जाएगा। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में बच्चे सूत्रों के गुलाम हैं या वे सूत्रों के निर्माता बन रहे हैं?

..................✍

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चो के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियो के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयो के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : समस्तीपुर, अंक–1"

समस्तीपुरः मिथिला का प्रवेश द्वार, बूढ़ी गंडक की गाद और विशिष्ट जलीय भूगोल

'संपादकीय'✍️

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टि से समस्तीपुर केवल एक जिला नहीं, बल्कि संपूर्ण उत्तर बिहार का कृषि-वैज्ञानिक तंत्रिका केंद्र (Agricultural-Scientific Hub) और रेलवे परिवहन की धुरी है। वर्ष 1972 में दरभंगा से अलग होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आया यह जिला मिथिलांचल के दक्षिणी छोर पर स्थित है। इसकी सीमाएं उत्तर में दरभंगा, पूर्व में बेगुसराय और खगड़िया, दक्षिण में पवित्र गंगा नदी के पार पटना और वैशाली तथा पश्चिम में मुजफ्फरपुर को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय भौगोलिक अवस्थिति समस्तीपुर को उत्तर और दक्षिण बिहार के रेल व सड़क परिवहन का एक अपरिहार्य चौराहा बनाती है, जहाँ से राज्य की बड़ी आबादी की आर्थिक धड़कनें नियंत्रित होती हैं।

इस जिले का संपूर्ण धरातल बूढ़ी गंडक, बागमती, करह, बलान और गंगा जैसी शक्तिशाली नदियों के जलीय संजाल से निर्मित हुआ है। जिले के बीचों-बीच बलखाती हुई बहने वाली बूढ़ी गंडक यहाँ के भू-भाग को दो स्पष्ट हिस्सों में विभाजित करती है और अपने साथ प्रचुर मात्रा में अत्यंत उपजाऊ जलोढ़ (Alluvial) मिट्टी लेकर आती है। यहाँ की मिट्टी मुख्य रूप से 'बलसुंदरी' (चूना-युक्त दोमट) और 'खादर' (नवीन जलोढ़) का एक बेहतरीन मिश्रण है। भू-वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह मिट्टी फॉस्फोरस और पोटेशियम से समृद्ध है, जो इसे बिना किसी अत्यधिक रासायनिक उर्वरक के भी बहु-फसली चक्र—विशेष रूप से रबी और नकदी फसलों—के लिए बिहार की सबसे मुफीद ज़मीन बनाती है।

इस मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी स्थानीय पारिस्थितिकी यहाँ पाए जाने वाले विशाल 'चौर' (Wetlands) हैं, जिनमें शिवाजीनगर चौर, सिंघिया चौर और हसनपुर-बिथान बेल्ट के विस्तृत चौर प्रमुख हैं। मानसून के महीनों में ये चौर बाढ़ के अतिरिक्त पानी को सोखने वाले प्राकृतिक बेसिन का कार्य करते हैं। जल प्रबंधन की इस अनूठी भौगोलिक स्थिति के कारण समस्तीपुर को 'उत्तर बिहार का अन्न भंडार' कहा जाता है। यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है, जो स्थानीय स्तर पर तंबाकू (खैनी), मक्का, आलू और हल्दी जैसी नकदी फसलों के लिए भारत का सबसे बेहतरीन 'माइक्रो-क्लाइमेट' तैयार करती है। विशेषकर समस्तीपुर का मक्का उत्पादन और उसकी प्रति हेक्टेयर उत्पादकता राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानकों को छूती है।

परंतु, इस प्रचुर प्राकृतिक संपदा के साथ समस्तीपुर को प्रत्येक वर्ष एक गंभीर भौगोलिक चुनौती का भी सामना करना पड़ता है। मानसून के दौरान जब बागमती, करह और कमला नदियाँ उफान पर आती हैं, तो कल्याणपुर, वारिसनगर, सिंघिया और बिथान जैसे प्रखंड भीषण बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। बागमती और बूढ़ी गंडक के निचले इलाकों में होने वाला भारी भू-कटाव (River Bank Erosion) हर साल स्थानीय भूगोल को बदल देता है। लेकिन इस विभीषिका के बीच यहाँ के किसानों की जिजीविषा अद्वितीय है, जो बाढ़ के पानी के उतरते ही ज़मीन पर गाद की नई परत का लाभ उठाकर रबी की फसलों (गेहूं, राई, दलहन) से खेतों को दोबारा सोने की तरह चमका देते हैं।

अंततः, समस्तीपुर का यह प्रथम भौगोलिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ का भूगोल प्रकृति की अपार उदारता और जलीय चुनौतियों का एक जीवंत कोलाज है। बूढ़ी गंडक के शांत किनारों से लेकर बिथान के विस्तृत बाढ़-कछारों तक, और पूसा के वैज्ञानिक कृषि-फार्मों से लेकर गंगा-गंडक के मैदानी छोर तक—यह जिला बिहार के कृषि भूगोल की रीढ़ है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए समस्तीपुर के इस नदी-तंत्र, विशिष्ट सॉइल-प्रोफाइल (Soil Profile) और चौर पारिस्थितिकी तंत्र का यह प्रामाणिक अध्ययन संपूर्ण उत्तर बिहार की कृषि-अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के ढांचे को समझने की एक अचूक और व्यावहारिक दृष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org